

साहित्यिक रचनाएं करने की प्रवृत्ति, प्रकृति के यथार्थ चित्रण के प्रति निष्ठा 3. स्वाभाविक प्रवृत्तियों से प्रेरित कार्यों को ही न्याय संगत और उचित ठहराना। naturalism

प्रकृतिवादी वि. (तत्.) 1. प्रकृतिवाद-संबंधी, प्रकृतवाद का मुहा. प्रकृतिवाद का अनुयायी या समर्थक, प्रकृति का भक्त।

प्रकृति विज्ञान पुं. (तत्.) 1. वह विज्ञान जिसमें वनस्पति, जीव-जंतु, भूगर्भ आदि प्राकृतिक वस्तुओं का अध्ययन किया जाता है 2. वह शास्त्र जिसमें प्राकृतिक तथ्यों जैसे- सृष्टि विकास, लय आदि का निरूपण होता है।

प्रकृति विज्ञानी पुं. (तत्.) 1. प्रकृति विज्ञान का अधिकारी विद्वान 2. प्रकृति की खोज-बीन में संलग्न व्यक्ति।

प्रकृतिविद्या स्त्री. (तत्.) प्रकृति का व्यवस्थित ज्ञान, प्रकृति के अध्ययन की विद्या।

प्रकृति वैज्ञानिक पुं. (तत्.) प्रकृति के क्षेत्र का अध्येता, प्रकृति से संबंधित अध्ययन करने वाला, प्रकृति विज्ञानी।

प्रकृति शास्त्र पुं. (तत्.) दे. प्रकृति विज्ञान।

प्रकृति सिद्ध वि. (तत्.) 1. प्राकृतिक 2. स्वाभाविक, सहज।

प्रकृतिस्थ वि. (तत्.) जो अपनी प्राकृतिक अवस्था में हो, स्वाभाविक, जिसके होश-हवास ठिकाने पर हो, क्षोभ एवं विकार से रहित, शांतचित्त, स्वस्थ।

प्रकृत्या क्रि.वि. (तत्.) प्रकृतिवश, प्रकृति से, स्वभाव से, स्वभावतः कुदरतन।

प्रकृष्ट वि. (तत्.) [प्र+कृष्+क्त]. खिंचा हुआ, आकृष्ट; खींचा हुआ, बढ़ाया हुआ, जोता हुआ (खेत), खींचकर निकाला हुआ 2. सुदीर्घ, प्रकर्षयुक्त लंबा, अतिविस्तृत 3. विक्षिप्त, अशांत 4. सर्वोत्तम, पूज्य, श्रेष्ठ, उत्कृष्ट, उत्तम, प्रमुख, गौरवशाली, मुख्य, प्रधान।

प्रकृष्टता स्त्री. (तत्.) [प्रकृष्ट+ता] 1. प्रकृष्ट होने की अवस्था या भाव, दीर्घता 2. उत्कृष्टता, उत्तमता, श्रेष्ठता, मुख्यता।

प्रकोध पुं. (तत्.) 1. सड़ाँध, बदबू; सड़ना, दूषित होना 2. सूखना, शोष।

प्रकोप पुं. (तत्.) 1. बहुत अधिक कोप, क्षोभ, बहुत क्रोध 2. सार्वजनिक रूप से किसी रोग का बहुत फैल जाना, किसी बीमारी का प्रबल रूप से विस्तार 3. शरीर में वात, पित्त, कफ आदि त्रिदोषों में से किसी से संबंधित रोग हो जाना।

प्रकोपन पुं. (तत्.) 1. प्रकुपित होना या करना, क्रुद्ध होना या करना 2. छेड़छाड़, खीजने/चिढ़ने का भाव या खिजोना, चिढ़ाने की बात 3. रोग का बढ़ना, रोग को बढ़ाना 4. राज. भड़काव, भड़काना, उकसाना, उत्तेजित करना, उत्तेजना फैलाना।

प्रकोष्ठ पुं. (तत्.) 1. मुख्य द्वार या सदर दरवाजे के पास का कमरा 2. घर का बड़ा आंगन 3. किसी भवन का बड़ा संगोष्ठी कक्ष 4. हाथ में कोहनी से कलाई तक का भाग।

प्रक्रम पुं. (तत्.) 1. किसी चीज का एक क्रम, सिलसिला 2. पग, कदम 3. कार्यारंभ पूर्व की योजना 4. आरंभ 5. प्रक्रिया।

प्रक्रिया स्त्री. (तत्.) 1. कार्य करने का ढंग 2. किसी कार्य की पूर्णता के लिए की जाने वाली कार्यवाही व्या. शब्द सिद्धि, शब्द प्रयोग की विधि।

प्रक्षालित वि. (तत्.) [प्र+क्षालित] 1. धोया हुआ, स्वच्छ किया हुआ 2. पवित्र किया हुआ 3. प्रायश्चित्त के पश्चात् शुद्ध किया हुआ, साफ किया हुआ।

प्रक्षालित्र पुं. (तत्.) किसी वस्तु या सामग्री के धोने तथा उसमें से गर्द, धूल, मिट्टी या कोई भी आवांछित पदार्थ निकालने के लिए प्रयुक्त मशीन या युक्ति।

प्रक्षाल्य वि. (तत्.) 1. धोए जाने के योग्य 2. स्वच्छ किए जाने के योग्य 3. धूल, मिट्टी, गर्द,